दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, मंगलवार 25 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 234

महत्वपूर्ण एवं खास

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र 1 जून से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद का कर्तव्य निभाएंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 में दी गई शक्तियों का उपयोग करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र को, न्यायमूर्ति पारापिलिल रामकृष्णन नायर रामचंद्र मेनन की सेवानिवृत्ति के बाद, 1 जून 2021 से उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है। इस संबंध में विधि और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने आज अधिसूचना जारी की। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र ,बीएससी; एलएलबी 4 सितंबर,1984 को अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए और उन्होंने जिला न्यायालय, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में दीवानी, संवैधानिक, राजस्व और आपराधिक मामलों की वकालत की। उनकी विशेषज्ञता संवैधानिक और दीवानी मामलों में है। उन्होंने अतिरिक्त महाधिवक्ता और छत्तीसगढ़ राज्य के महाधिवक्ता के रूप में अपनी सेवा दी। उन्हें 10 दिसंबर, 2009 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वह 28 नवंबर 2014 को स्थाई न्यायाधीश नियुक्त किए गए।

गुजरात सांप्रदायिक झड़प में 2,000 से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गुजरात (आरएनएस)। गुजरात के गिर सोमनाथ में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प के बाद पुलिस ने करीब 2,000 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास और दंगा फैलाने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है। घटना में करीब छह पुलिसकर्मी और कई अन्य लोग घायल हो गये हैं। घटना से संबंधित प्राथमिकी में इसी तरह के अपराधों के लिए 47 अन्य लोगों का नाम भी दर्ज है। गिर सोमनाथ के उना तालुका के नवा बंदर गांव स्थित जेट्टी में मछली पकड़ने की दो नौकाओं की टक्कर के बाद यह विवाद पैदा हुआ। अलग-अलग समुदायों से करीब 1,500 से 2,000 लोगों ने कथित रूप से एक दूसरे पर लाठी-डंडों, तलवार और लोहे और प्लास्टिक की पाइपों से वार किया और पत्थर तथा खाली बोतलें भी फेंकी। नवा बंदर मरीन पुलिस थाना से मिली जानकारी के अनुसार जब पुलिस ने भीड़ को काबू में करने के लिए दखल दिया तो दंगाइयों ने उन भी हमला किया जिससे सहायक पुलिस अधीक्षक , दो उपनिरीक्षक और तीन कांस्टेबल समेत छह पुलिसकर्मी घायल हो गये। पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। रविवार देर रात हुई घटना के संबंध में दोनों समुदायों से 47 ज्ञात और 1,500 से 2,000 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 307 (हत्या के प्रयास), 332, 333 (लोकसेवकों को जानबूझकर गंभीर रूप से चोट पहुंचाने), 337, 338 (मानव जीवन को नुकसान पहुंचाने वाले कृत्य करना), 143 (गैर कानूनी रूप से जमा होना), 147 और 148 (दंगा फैलाना) के तहत मामले दर्ज किये गये हैं। दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

चक्रवात यास पर गृह मंत्री अमित शाह ने की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्रियों और अंडमान और निकोबार के लेफ्टिनेंट गवर्नर के साथ बैठक कर रहे है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी में पैदा हो रहे चक्रवात यास से पहले की तैयारियों की समीक्षा भी कर रहे है। इसके अलावा, भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख जेपी नड्डा चक्रवात यास से प्रभावित राज्यों में संसद सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भी बातचीत करेंगे। जानकारी के मुताबिक, चक्रवात तौके के पश्चिमी तट पर दस्तक देने के कुछ दिनों बाद, यास के ओडिशा और पश्चिम बंगाल के बीच देश के पूर्वी तट से टकराने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, यास के बुधवार शाम को ओडिशा के पारादीप और पश्चिम बंगाल के सागर द्वीपों के बीच एक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में लैंडफॉल बनाने की उम्मीद है।

देश में कोरोना वायरस से अभी भी जारी है मौतों का तांडव, 24 घंटे में मिले 2.22 लाख से ज्यादा नए मरीज, 4,454 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों में हर रोज कमी आ रही है,लेकिन कोविड संक्रमण से मरने वालों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। कोरोना वायरस के कारण लगातार हो रही मौतों के कारण कोहराम मचा हुआ है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ो पर गौर की जाए तो पिछले एक दिन में कोरोना के 2,22,315 नए मामले सामने आए। जिसके बाद देश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,67,52,447 हो गई। हालांकि पिछले 38 दिनों में एक दिन में सामने आए संक्रमण के ये सबसे कम नए मामले हैं। इससे पहले देश में 16 अप्रैल को 24 घंटे में 2,17,353 नए मामले सामने आए थे। वहीं कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या तीन लाख के

पार पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना से 4,454 की मौत दर्ज की गई है। मसलन देश में संक्रमण से 4,454 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 3,03,720 हो गई।

❑ **सक्रीय मरीजों की संख्या में कमी-** वहीं देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में भी गिरावट आई है और अभी 27,20,716 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 10.17 प्रतिशत है। पिछले 22 दिनों से देश में सक्रिय मामलों की संख्या में कमी देखी जा रही है। 3 मई के समय देश में 17.13 फीसदी सक्रिय मामलों की संख्या थी अब यह घटकर 10.17 फीसदी रह गई है। पिछले 2 हफ्तों में सक्रिय मामलों की संख्या में करीब 10 लाख की कमी देखी गई है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 84,683 की कमी आने से अब 27,20,716 मरीज हैं। संक्रमण के कुल मामलों के 10.17 फीसदी मरीज उपचाराधीन हैं। कुल 71.62 फीसदी उपचाराधीन मरीज कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और ओडिशा में हैं।

❑ **कोरोना मृत्यु दर 1.14 प्रतिशत-** इसके अलावा देश में अब तक 2,37,28,011 लोग कोरोना के संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं और राष्ट्रीय स्तर पर स्वस्थ होने की दर 88.70 प्रतिशत है, जो 3 मई तक रिकवरी दर 81.7 फीसदी थी। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.14 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

❑ **कोरोना जांच जारी-** कोरोना संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख के पार हो गए। ये मामले 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार और चार मई को दो करोड़ के पार चले गए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में 23 मई तक कुल 33,05,36,064 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई। इनमें से 19,28,127 नमूनों की जांच रविवार (23 मई) को की गई।

❑ **कोरोना से मरने वालों के परिवारों को मिले मुआवजा-** उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को चार लाख रुपये अनुग्रह राशि दिए जाने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मामले को लेकर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। अदालत ने कोरोना से मरने वालों के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए समान नीति की मांग वाली याचिका पर सरकार से सवाल किया है कि क्या कोरोना से पीड़ित लोगों के लिए कोई एक समान पॉलिसी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर केंद्र को नोटिस भेजकर 10 दिनों में जवाब मांगा है। बता दें कि जनहित याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट राज्य सरकारों को निर्देश दे कि मृत्यु प्रमाण पत्र या अन्य आधिकारिक दस्तावेजों में मौत की वजह कोरोना वायरस दर्ज किया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एमआर शाह की अवकाशकालीन पीठ ने केंद्र को कोविड.19 से मरने वाले लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा निर्देशों की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि इसके लिए समान नीति अपनाई जाए।

श्रमिकों का डेटाबेस बनाएं सरकार : सुप्रीम कोर्ट

» किसी भी मजदूर को राशन से वंचित न रखें

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रवासी मजदूरों के जीवन यापन की समस्या को गंभीरता से लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से उनके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह चाहता है कि दिल्ली.एनसीआर ही नहीं बल्कि सभी राज्यों को मजदूरों के लिए मुफ्त ड्राई राशनए कम्युनिटी किचन आदि की व्यवस्था की गई या नहीं। साथ ही इन राज्यों और केंद्र सरकार से कहा है कि जो भी प्रवासी मजदूर अपने गांव लौटना चाहते हैं उनके लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था की गई नहीं। शाम तक सुप्रीम कोर्ट इस पर आदेश पारित करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने आपदा प्रबंधन कानून के तहत राहत कार्यों में शामिल लोगों सहित कोरोना वायरस से मरने वालों के परिवारों को 4 लाख रुपए के अनुग्रह राशि के भुगतान पर भी केंद्र से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा कि कोरोना से मरने वाले लोगों को केंद्र ने सहायता राशि पहुंचाई या नहीं इस पर विस्तार से जानकारी दें। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर दिशानिर्देश बताने के लिए कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मृत्यु प्रमाणपत्र जारी का एकसमान दिशानिर्देश होना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकारए दिल्ली सरकारए यूपी और हरियाणा सरकार से कहा है कि वह उन प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजने के लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था करें जो अपने घर जाना चाहते हैं। प्रशासन और पुलिस आपस में इसके लिए सहयोग करें।

ब्लैक और व्हाइट फंगस से ज्यादा खतरनाक येलो फंगस

» देश में मिला पहला येलो फंगस मामला

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना वायरस महामारी के साथ-साथ ब्लैक फंगस और व्हाइट फंगस के भी कई मामले सामने आए, लेकिन अब इन दोनों के अलावा एक और फंगल इंफेक्शन का खतरा दिखाई दे रहा है। गाजियाबाद में येलो फंगल का एक मामला सामने आया है। जानकारों की माने तो येलो फंगस, ब्लैक और व्हाइट फंगस से ज्यादा खतरनाक है।

सूत्रों के अनुसार इस मरीज का

इलाज जारी है और मरीज की उम्र 34 साल है। यह मरीज कोरोना से संक्रमित रह चुका है और साथ में मधुमेह का रोगी भी है। ऐसा बताया जा रहा है कि येलो फंगस घातक बीमारियों में से एक है। येलो फंगस के कई लक्षण हैं। इसमें थकान, कमजोरी महसूस होना, भूख ना लगना या कम भूख लगना जैसे लक्षण शामिल हैं। जैसे-जैसे फंगस का असर बढ़ने लगता है वैसे-वैसे मरीज के शरीर में कमजोरी बढ़ने लगती है और वजन भी तेजी से कम होने लगता है। इसके अलावा अगर मरीज के शरीर पर कोई घाव है तो उसमें से मवाद का रिसाव होने लगता है और घाव बहुत कम तेजी से ठीक होता है। इस दौरान मरीज की आंखें भी धंस जाती हैं और कई अंग काम करना बंद कर देते हैं।

क्या है येलो फंगस का उपचार

इसके उपचार को लेकर कहा गया है कि अगर किसी मरीज को अपने शरीर में सुस्ती महसूस हो रही है, भूख कम लग रही है या खाने का बिल्कुल मन नहीं होता तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे में तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, येलो फंगस गंदगी के कारण किसी मरीज में फैल सकता है। इसलिए अपने घर के आस-पास साफ सफाई रखें और स्वच्छता का ध्यान रखकर इस बैक्टीरिया या वायरस को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा पुराना खाना ना खाएं।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 21.80 करोड़ से ज्यादा कोविड वैक्सीन की खुराक मुहैया कराई गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश भर में चल रहे कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत भारत सरकार सभी राज्यों और केंद्र-शासित राज्यों को मुफ्त में वैक्सीन मुहैया करवा रही है। इसके अलावा भारत सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सीधे तौर पर वैक्सीन खरीदने में भी मदद कर रही है। टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की रणनीति और उचित कोविड व्यवहार के साथ-साथ टीकाकरण भी भारत सरकार की कोविड महामारी के नियंत्रण और प्रबंधन की रणनीति का अहम हिस्सा है।

कोविड-19 टीकाकरण की रणनीति उदारीकृत और त्वरित चरण-3 का कार्यान्वयन 1 मई 2021 से शुरू हो गया है।

इस रणनीति के तहत, हर महीने किसी भी निर्माता की कुल सेंट्रल ड्रग्स लैबरेट्री (सीडीएल) द्वारा स्वीकृत वैक्सीन खुराक का 50 प्रतिशत भारत सरकार द्वारा खरीदा जाएगा। सरकार इन खुराकों को राज्य सरकारों को पूरी तरह से मुफ्त में उपलब्ध कराना जारी रखेगी जैसा कि पहले किया जा रहा था।

भारत सरकार ने अब तक राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 21.80 करोड़ से अधिक टीके की खुराक (21,80,51,890) निःशुल्क श्रेणी और राज्य द्वारा सीधी खरीद श्रेणी के माध्यम से प्रदान की है।

23 मई 2021 तक 20,00,08,875 खुराक की कुल खपत हुई है जिसे इस दिन तक औसत के आधार पर निकाला गया है और इसमें अपव्यय हुई खुराक भी शामिल हैं। यह आंकड़ा आज सुबह (24 मई) 8 बजे तक का है।

1.80 करोड़ से अधिक कोविड वैक्सीन खुराक (1,80,43,015) अभी भी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं जिन्हें अभी लगाया जाना बाकी है।

इसके अलावा, 48 लाख (48,00,650) से अधिक वैक्सीन खुराक पाइपलाइन में हैं और अगले 3 दिनों के भीतर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को प्राप्त होंगी।

चंद्रग्रहण का आंशिक चरण भारत में दिखेगा बुधवार को

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंद्रमा का पूर्ण ग्रहण 26 मई 2021 (5 ज्येष्ठ, 1943 शक संवत) को होगा। चन्द्रग्रहण का आंशिक चरण भारत में चंद्रोदय के तुरंत बाद कुछ समय के लिए भारत के पूर्वोत्तर भागों (सिक्किम को छोड़कर), पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, ओडिशा तथा अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के कुछ तटीय भागों में दिखेगा।

ग्रहण दक्षिण अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, प्रशांत महासागर और हिंद महासागर को कवर करने वाले क्षेत्र में दिखाई देगा। ग्रहण का आंशिक चरण भारतीय समय के अनुसार 15 बजकर 15 मिनट पर प्रारंभ होगा। कुल चरण भारतीय समय के अनुसार 16 बजकर 39 मिनट पर प्रारंभ होगा। कुल चरण भारतीय समय के अनुसार 16 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगा। आंशिक चरण 18 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगा। अगला चंद्रग्रहण भारत में 19 नवंबर 2021 को दिखेगा। यह आंशिक चंद्रग्रहण होगा। आंशिक चंद्रग्रहण की समाप्ति को चंद्रोदय के कुछ समय बाद कुछ समय के लिए ही अरुणाचल प्रदेश और असम के चरम पूर्वोत्तर भागों में देखा जा सकेगा। चंद्रग्रहण पूर्णिमा के दिन होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और जब तीनों सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा- एक सीध में आ जाते हैं।

टिड्डी दल के हमले को लेकर किसानों को चेतावनी

अलीगढ़ (आरएनएस)। देश का उत्तर प्रदेश राज्य कोविड-19 महामारी के साथ-साथ ब्लैक फंगस के मामलों से भी उबरने की कोशिश में भी लगा हुआ है, ऐसे में टिड्डियों के हमले की संभावना भी बड़ी मुसीबत बनकर उभरी है। अलीगढ़ जिला प्रशासन ने टिड्डी दल के संभावित हमले को लेकर अब अलर्ट जारी कर दिया है। राजस्थान के जैसलमेर शहर में टिड्डियों के झुंड को देखे जाने के बाद अधिकारियों ने एडवाइजरी जारी की है। राज्य में कृषि विभाग भी इसे लेकर अपनी तैयारियों में जुट गई है। किसानों को भी चेतावनी दे दी गई है। ये रेगिस्तानी टिड्डे झुंड बनाकर चलते हैं और हर दिन अपने वजन तक के फसलों को खा जाते हैं। जब लाखों की संख्या में ये खेतों पर हमला बोलते हैं, तो वे सबकुछ बर्बाद कर देते हैं। रेगिस्तानी टिड्डे को दुनिया में सबसे विनाशकारी प्रवासी कीट माना जाता है। इसमें एक वर्ग किलोमीटर में फैले एक झुंड में आठ करोड़ तक टिड्डियां हो सकती हैं।

धरती पर लॉकडाउन तो आसमां में प्लेन पर रचाई शादी, कपल ने दिया पाबंदियों को चकमा

सार (आरएनएस)। मदुरई निवासी राकेश और दक्षिणा ने अपनी शादी को यादगार बनाने की योजना तैयार की। उन्होंने दो घंटे के लिए एक प्लेन किराए पर लिया। साथ ही, तमिलनाडु में लगे लॉकडाउन व कोविड-19 के चलते शादी-समारोह पर लगी पाबंदियों को चकमा दे दिया।

मुहब्बत की डोर का आखिरी छोर शादी को माना जाता है। यही वजह है कि अपनी जिंदगी के इस खुशनुमा पल को हर कोई यादगार बनाने की कोशिश करता है। कुछ ऐसा ही मदुरई के एक कपल ने भी किया। दरअसल, कोरोना वायरस के चलते तमिलनाडु में इस वक्त सख्त लॉकडाउन लगा है। वहीं,

शादी-समारोह पर भी पाबंदियां लागू हैं। ऐसे में इस कपल ने अपनी अनोखी योजना से धरती के लॉकडाउन को चकमा दे दिया और आसमान में शादी रचा ली। इस कार्यक्रम में उनके 161 रिश्तेदार भी शामिल हुए।

❑ **यह है पूरा मामला-** गौरतलब है कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश के अधिकतर राज्यों में लॉकडाउन लगा हुआ है। इसकी वजह से अधिकतर शहरों में कर्फ्यू लगा हुआ है। शादी-समारोहों में पाबंदियां लागू हैं। इसकी वजह से लोगों को अपने कार्यक्रम और मेहमानों की लिस्ट में भी छंटनी करनी पड़ रही है, लेकिन तमिलनाडु के मदुरई निवासी एक कपल ने इन पाबंदियों को बीच अपनी शादी को इस कदर यादगार बना दिया कि वो सुर्खियों में छा गया।

जानकारी के मुताबिक, मदुरई निवासी राकेश और दक्षिणा की शादी होनी थी, लेकिन उनकी मुहब्बत के रास्ते में लॉकडाउन की पाबंदियां आ गईं। ऐसे में उन्होंने दो घंटे के लिए एक प्लेन किराए पर ले लिया और 161 रिश्तेदारों के साथ आसमान में सात फेरे लिए। राकेश-दक्षिणा ने अपनी इस अनोखी शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया तो वह देखते ही देखते वायरल हो गया। इस वीडियो का कैप्शन था, मदुरई के राकेश-दक्षिणा ने दो घंटे के लिए हवाई जहाज किराए पर लिया और आसमान में शादी रचाई। परिवार के सदस्य मदुरई से बंगलूरू गए थे और शादी के बाद स्पाइसजेट की फ्लाइट लेकर बंगलूरू से मदुरई वापस आ गए।

❑ **डीजीसीए ने की कार्रवाई-** सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए इस शादी के छोटे से वीडियो में राकेश दक्षिणा के गले में मंगलसूत्र बांधते नजर आए। इस दौरान उनके रिश्तेदार बेहद खुश दिखे और कपल पर फूल बरसाते रहे। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को अब तक हजारों लोग देख चुके हैं। इस मामले में डीजीसीए ने भी कार्रवाई की है। एयरलाइन ने संबंधित अधिकारियों के साथ-साथ कोविड नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है।